U.G. Sem - IIIrd (2024-2028)

Subject - Psychology (MJC)

Topic - Cognitive and Language Development.

Unit-2, Date - 04.11.2025

By Dr. Shyam Sundar Karna.
Dept. of Psychology, U.R. College Rosera.

Vygotsky's Theory.

Q. वायगोत्स्की के सामाजिक - सांस्कृतिक विकास के सिद्धांतों को लिखें।

Ans. → लेव व्यागोत्स्की एक रूसी मनोवैज्ञानिक थे जिन्होंने संज्ञानात्मक विकास को सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश से जोड़कर समझाने का प्रयास किया है। उनका मानना था कि बच्चों का बौद्धिक विकास सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव से ही संभव है।

(क) विकास की मुख्य अवधारणाएँ :- (1) सामाजिक अन्तःक्रिया :- वायगोत्स्की का मानना था कि समाज में एक-दूसरे से बातचीत करने से बच्चों के ज्ञान का विकास होता है।

(2) संस्कृति की भूमिका (Role of Culture) :- संस्कृति के आधार पर ही भाषा, परंपरा, रीति-रिवाज और सामाजिक मानदण्ड इत्यादि से बच्चों में मानसिक विकास होता है

(3) निकटवर्ती विकास क्षेत्र :- निकटवर्ती विकास क्षेत्र (Zone of Proximal Development - ZPD) एक ऐसी अवधारणा है जहाँ बच्चा स्वयं तो कोई कार्य नहीं करता है लेकिन किसी कुशल व्यक्ति की सहायता करता है.

(4) सहारा या मार्गदर्शन (scaffolding) :- इससे तात्पर्य है की बच्चों को क्षमता के अनुसार उन्हें सहायता करना या सहारा देना. इस आधार पर बच्चा उस कार्य को सीख जाता है।

(5) भाषा की भूमिका (Role of language) :- बच्चों में सोच भाषा के आधार पर ही विकसित होता है। उन्होंने भाषा को मुख्य रूप से तीन प्रकार से विभाजित किया है - (1) सामाजिक भाषा - दूसरों से बातचीत करने के लिए। (2) निजी भाषा - स्वयं से बातचीत करना या सोचते समय बोलना. (3) आन्तरिक भाषा - अपने मन में चुपचाप सोचना.

(6) वायगोत्सकी के सिद्धांत की शैक्षणिक उपयोगिता :- शिक्षा के क्षेत्र में वायगोत्सकी ने अपने सिद्धांत को निम्न रूपों में उपयोगी बताया है।-

(1) सामाजिक अधिगम को बढ़ावा देना - छात्रों को समूह कार्य, चर्चा, और सहयोग का अवसर देना.

P.T.O

(2) सहायता या मार्गदर्शन :- शिक्षक को चाहिए की बच्चों को सहारा या दिशा-निर्देश देकर उन्हें स्वावलंबी बनाये।

(3) भाषा पर ध्यान - बच्चों को बोलने, प्रश्न पूछने एवं अपने विचार व्यक्त करने का अवसर देना चाहिए.

(4) सांस्कृतिक अनुभवों का उपयोग :- शिक्षा को बच्चों के सांस्कृतिक और जीवन से जोड़ना चाहिए।

निष्कर्ष स्वरूप हम कह सकते हैं कि शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है जो भाषा और संस्कृति के माध्यम से होती है। वर्तमान समय में वायगोत्स्की का यह सिद्धांत आधुनिक शिक्षा में सहयोगात्मक शिक्षण (Collaborative Learning), गाइडेड डिस्कवरी और समूह चर्चा की नींव बन चुका है।

Dr. Sharma